जालंधर, शुक्रवार 10 मई 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीने में होती है

@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news www.vandebharat24.com

बहुत महंगे हैं राहुल गांधी के चुनावी वादे

क्या देश की जनता को लुभा पाएगा कांग्रेस का घोषणापत्र

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनाव 2024 में चुनावी रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कांग्रेस के घोषणापत्र पर की गई टिप्पणी की वजह से राहुल गांधी के चुनावी वादे इन दिनों चर्चा में है।

कांग्रेस ने 5 अप्रैल को अपना घोषणापत्र जारी किया था। मुख्य विपक्षी पार्टी इसे 'न्याय पत्र' नाम दिया है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तरफ से जारी घोषणापत्र में 5 'न्याय' और 25 तरह की 'गारंटियां' दी गई हैं। पार्टी ने मेनिफेस्टो में महिलाओं और युवाओं को फोकस में रखा है। लेकिन इसमें जो चुनावी वादे किए गए हैं, अगर वाकई उसे धरातल पर उतारा जाए तो देश की अर्थव्यवस्था हिल जाएगी। आइए, कांग्रेस के घोषणापत्र से उत्पन्न वास्तविक मजबूरियों को उजागर करते हैं। राहुल गांधी के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में पैसा जुटाना होगा।

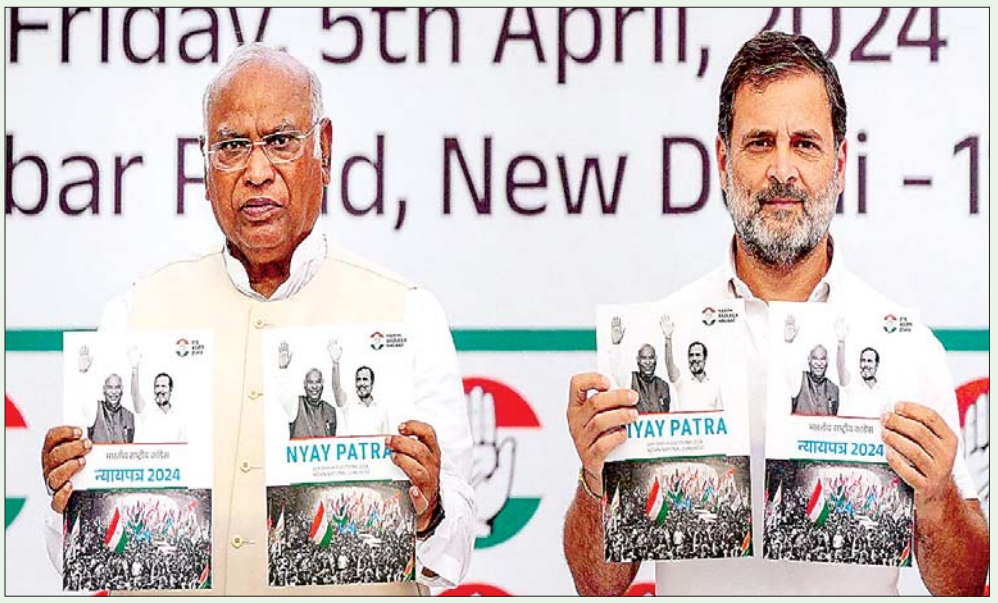

महालक्ष्मी योजना

कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में 'महालक्ष्मी योजना' शुरू करने का वादा किया है जो गरीबी कम करने के लिए गरीबों को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये प्रदान करेगी। यह राशि सबसे गरीब परिवारों की सबसे बुजुर्ग महिला के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर की जाएगी।

हालांकि, स्पष्ट रूप से घोषणापत्र में यह नहीं बताया गया है कि कांग्रेस अपनी महालक्ष्मी कल्याण योजना के तहत कितने गरीब परिवारों तक पहुंचना चाहती है। क्या ऐसा इसलिए नहीं बताया गया है कि क्योंकि कांग्रेस नहीं चाहती कि कोई यह अनुमान नहीं लगा पाए कि इस योजना को लागू करने में कितनी लागत आएगी।

दुर्भाग्य से भारत में डेटा को हथियार बना दिया गया है। यह राजनीति का एक नया चलन है। गरीबी का अनुमान बेतहाशा भिन्न होता है। नीति आयोग गरीबी अनुपात को लगभग 11 प्रतिशत बताता है।

लेकिन अगर भारत सरकार के उपभोग व्यय सर्वेक्षण के ताजा आंकड़ों पर विचार किया जाए तो यह 5 फीसदी से भी कम हो सकता है।

वहीं, तेंदुलकर समिति का अनुमान है कि 25.7 प्रतिशत ग्रामीण आबादी और 13.7 प्रतिशत शहरी आबादी गरीबी में रहती है।

6 लाख करोड़ रुपये आएगा खर्च

लेकिन इन बदलती गरीबी आधार रेखाओं के बावजूद, यह अनुमान लगाना अभी भी संभव नहीं है कि महालक्ष्मी योजना की लागत कितनी होगी। मूलत: यह स्कीम न्यूनतम आय योजना का ही अपडेट वर्जन है जिसे कांग्रेस ने सत्ता में आने पर 2019 में लागू करने की कसम खाई थी। उस समय कांग्रेस सभी भारतीय परिवारों (लगभग 5 करोड़ परिवारों) के सबसे गरीब 20 फीसदी परिवारों को प्रति वर्ष 72,000 रुपये के बिना शर्त नकद ट्रांसफर करने पर विचार कर रही थी।

बाकी शेष पृष्ठ 2 पर

केदारनाथ धाम का क्या है महाभारत के पांडवों से संबंध, जानें कैसे विराजमान हुए भोलेनाथ?

जालंधर (हर्ष शर्मा) : 10 मई को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जा रहा है. इसके साथ ही इस दिन से ही चार धामों की यात्रा शुरू हो जाएगी. सुबह करीब 7 बजे चार धामों में से एक धाम केदारनाथ के कपाट खुल जाएंगे.

बाबा शिव के दर्शन के लिए लाखों भक्तों ने पंजीकरण करा रखा है. क्या आप जानते हैं कि इस मंदिर का इतिहास कितना पुराना है.अगर नहीं तो चलिए हम आपको बताते हैं इस मंदिर का इतिहास क्या रहा है.

भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ धाम में भोलेनाथ लिंग रूप में विराजमान हैं. मान्यता है कि यहां भगवान शिव द्वारा धारण किए गए बैल रूप के गर्दन के ऊपर के भाग का पूजन किया जाता है. इस मंदिर का संबंध महाभारत काल से भी माना जाता है. केदारनाथ धाम में हर वर्ष लाखों के संख्या में श्रद्धालु आते हैं. धाम के कपाट हर साल अप्रैल या मई माह में खुल जाते हैं. शीतकाल में बाबा केदार की चल विग्रह उत्सव डोली को ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर लाया जाता है. इसी जगह पर भगवान शिव 6 माह तक विराजते हैं. इसके बाद डोली वापस मंदिर में जाती है.

महाभारत काल से है इस मंदिर का संबंध : स्कंद पुराण के केदार खंड में इस धाम का उल्लेख मिलता है. मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण कत्यूरी शैली में हुआ था. पांडवों के वंशज जन्मेजय ने यहां पर मंदिर की स्थापना की थी और बाद में आदि गुरु शंकराचार्य ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था.

भाइयों की हत्या के पाप से मुक्ति को यहां आए थे पांडव : केदारनाथ धाम के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि जब महाभारत के युद्ध के बाद पांडव अपने गोत्र के भाइयों की हत्या करने के पाप से मुक्ति के लिए भगवान शिव की शरण में जाना चाहते थे,

बाकी शेष पृष्ठ 5 पर

कल सप्लीमेंट्री चार्जशीट, आज हलफनामा... केजरीवाल की अंतरिम जमानत से पहले ED..

नई दिल्ली : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिलेगी या नहीं इस पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला आएगा, लेकिन उससे पहले अंतरिम जमानत रुकवाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने जोरदार प्रयास किया है.

सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई के दौरान तो ईडी ने इसका पुरजोर विरोध तो किया ही था. अब गुरुवार को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बेहद कड़े शब्दों में अंतरिम जमानत देने का विरोध किया है. वहीं, ये खबर भी ईडी सूत्रों के हवाले से आई है कि जांच एजेंसी शुक्रवार को ष्टरू के खि?लाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर सकती है. जाहिर है कि ईडी ने अंतरिम जमानत मिलने को संभावना को खारिज करवाने के लिए पूरी ताकत लगा दी है.

ईडी ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत का विरोध करते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना ठीक नहीं होगा. इससे एक गलत संदेश जाएगा. कोई भी अपराधी अंतरिम जमानत के लिए इसका हवाला देने लगेंगे और अंतरिम जमानत मांगने लगेंगे. ईडी का कहना है कि चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना ना तो संवैधानिक, ना ही मौलिक अधिकार और ना ही कानूनी अधिकार है. दिल्ली के मुख्यमंत्री तो चुनाव भी नहीं लड़ रहे हैं. चुनाव लड़ने के लिए भी अंतरिम जमानत नहीं दी जा सकती.

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525
आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES

Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.

COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)

V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

तमिलनाडु में भयंकर विस्फोट, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

जालंधर (नितिका) : तमिलनाडु में भयंकर विस्फोट की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो तमिलनाडु के शिवकाशी के पास एक पटाखों की फैक्ट्री में विस्फोट हुआ है। बताया जा रहा है कि इस विस्फोट में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इसको लेकर आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

क्या 'सत्ता परिवर्तन' की आहट से कांप रहा शेयर बाजार! समझें इस भारी गिरावट के मायने

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : देश में जारी लोकसभा चुनाव के बीच शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है. कुछ दिनों पहले जो निफ्टी इंडेक्स 23000 का आंकड़ा छूने की कगार पर था वो धड़ाम होकर 21957.50 पर आ चुका है. गुरुवार को निफ्टी में 345 अंकों की भारी गिरावट देखने को मिली. विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारतीय शेयर बाजार से अपना पैसा निकाल रहे हैं. अब बाजार केवल घरेलू संस्थागत निवेशकों के सहारे दम दिखाने की कोशिश कर रहा है लेकिन यह गिरावट रुकने का नाम नहीं ले रही है.

बाजार की भारी गिरावट के बीच अब निवेशकों में चुनाव के नतीजों की चर्चा शुरू हो गई है. निवेशक बाजार की इस गिरावट को चुनाव के नतीजों से जोड़कर देख रहे हैं.

तो क्या सत्ता परिवर्तन के संकेत दे रहा बाजार

लोकसभा चुनाव के तीन चरण पूरे हो चुके है. इन तीन चरणों में लगभग आधी से अधिक सीटों पर मतदान हो चुका है.

ऐसा लगता है कि तीन चरणों के मतदान प्रतिशत से बाजार खुश नहीं है और शायद उसने चुनाव के नतीजों को पहले ही भांप लिया है.

डरा रहा मतदान का कम प्रतिशत

दरअसल लोगसभा चुनाव के तीन चरणों में मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहा है और इतिहास गवाह है कि मतदान का प्रतिशत कम होने पर अधिक बार सत्ता परिवर्तन देखा गया है. यहां गौर करने वाली बात ये भी है कि लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में जिसमें भाजपा के कई बड़े नेता मैदान में थे उस चरण में पिछले दो चरणों के मुकाबले और भी कम मतदान हुआ जिसने भाजपा के साथ साथ बाजार को भी डरा दिया है.

सत्ता परिवर्तन से क्यों घबराता है बाजार

दरअसल, ज्यादातर निवेशक सत्ता परिवर्तन को सकारात्मक नहीं मानते, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि नई सरकार के आने से पुरानी सरकार के प्रोजेक्ट्स रुक जाएंगे और सरकार की जिन योजनाओं में उन्होंने निवेशक किया है उनके रुकने से उन्हें घाटा होगा.

सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचा इंडिया VIX

शेयर बाजार में अस्थिरिता दर्शाने वाला इंडिया विक्स इंडेक्स सप्ताह के अपने उच्चतम स्तर 19 पर जा पहुंचा है, जो संकेत दे कहा है कि बाजार की यह उठा पटक और ज्यादा बढ़ने वाली है.

दुष्यंत चौटाला का उलटा पड़ गया दांव

3 MLA पहुंच गए खट्टर के द्वार; पार्टी में टूट का खतरा

जालंधर (जसवीर) : हरियाणा में सियासी संकट के बीच बड़े सियासी उलटफेर की संभावना जताई जा रही है। कुछ दिनों पहले ही एनडीए गठबंधन से अलग हुए जननायक जनता पार्टी के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गवर्नर को चिट्ठी लिखकर नायब सिंह सैनी सरकार से विधानसभा में बहुमत साबित करने को कहने की मांग की थी लेकिन अब खबर आ रही है कि चौटाला की ही पार्टी टूटने की कगार पर पहुंच गई है।

खबर है कि जजपा के तीन विधायक राज्य में जारी सियासी संकट के बीच पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिलने पहुंचे थे। माना जा रहा है कि ये विधायक कभी भी पाला बदल सकते हैं और भाजपा का दामन थाम सकते हैं। जजपा के पास कुल 10 विधायक हैं। अगर ये संख्या तीन ही रही तो इन विधायकों के टूटने पर दल-बदल कानून लागू हो सकता है। चर्चा है कि और भी जजपा विधायक भाजपा के संपर्क में हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खट्टर के साथ जजपा विधायकों की बैठक पानीपत में राज्य मंत्री महिपाल ढांडा के आवास पर आज दोपहर करीब 2 बजे हुई। आधे घंटे चली बैठक में खट्टर और ढांडा के अलावा जननायक जनता पार्टी के तीनों विधायक मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक संकट पर चर्चा की। हालांकि, मेजबान मंत्री ढांडा ने इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

इस बैठक में टोहाना विधायक देवेंद्र बबली, नरवाना से रामनिवास सूरजखेड़ा और जोगीराम सिहाग शामिल हुए। मनोहर लाल से मुलाकात करने वाले जोगीराम सिहाग और देवेन्द्र बबली ने कहा कि राज्यपाल को पत्र भेजने से पहले हमसे कोई बात नहीं की गई। अब माना जा रहा है कि जजपा के कुछ विधायक अलग से बैठक कर सकते हैं। राजनीतिक संकट के बीच भाजपा की नजर जजपा पर बनी हुई है।

बता दें कि दो दिन पहले तीन निर्दलीय विधायकों ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसके बाद नायब सिंह सैनी की सरकार अल्पमत में आ गयी है। इसके बाद जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने आज हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को चिट्ठी लिखकर विधानसभा में बहुमत साबित करवाने की मांग की थी।

जजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद मार्च में ही नायब सिंह सैनी सरकार बनी थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर करनाल से और रणजीत चौटाला हिसार सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों नेताओं ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इनके इस्तीफों के बाद इस समय 90 सदस्यीय विधानसभा में मौजूदा 88 विधायक हैं। सदन में बहुमत का आंकड़ा 45 है, जबकि तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने के बाद भाजपा सरकार के साथ 43 विधायक हैं। हालांकि, सैनी और खट्टर का दावा है कि उनकी सरकार पर कोई संकट नहीं है और विपक्षी दलों के कुछ विधायक भी उनके संपर्क में हैं।

पृष्ठ 1 का शेष

बहुत महंगे हैं राहुल गांधी के चुनावी वादे, क्या देश की जनता को लुभा पाएगा कांग्रेस का घोषणापत्र

इसलिए, अगर कांग्रेस पार्टी भारतीय आबादी के निचले 20 प्रतिशत हिस्से में हर घर की सबसे बुजुर्ग महिला सदस्य को प्रति वर्ष एक लाख रुपये देने का फैसला करती है, तो महालक्ष्मी योजना को लागू करने से करदाताओं को प्रति वर्ष 6 लाख करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

मनरेगा : नकदी बांटने का वादा करते हुए कांग्रेस के घोषणापत्र में मनरेगा के तहत न्यूनतम 100 दिनों के लिए प्रति दिन 400 रुपये तक दोगुनी मजदूरी करने का भी प्रस्ताव है। वर्तमान में प्रत्येक मजदूर को मनरेगा के तहत औसत भत्ता 289 रुपये प्रति दिन मिलता है। भुगतान को 'दोगुना' करने से मनरेगा के लिए कुल बजटीय आवंटन लगभग 1.80 लाख करोड़ हो जाएगा। सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 1त्न पर 1.80 लाख करोड़ रुपये का आवंटन 2025 के लिए भारत के वार्षिक हेल्थ खर्च का लगभग दोगुना है। अब आइए हम Cw (Actual Cost यानी वास्तविक लागत) +50 फीसदी पर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने की गारंटी देने वाला कानून पारित करने के कांग्रेस के वादे की पड़ताल करते हैं। यह स्वामीनाथन समिति की सिफारिश के अनुरूप है जिसका कांग्रेस पूरे दिल से समर्थन करती है। केंद्र सरकार ने अनुमान लगाया है कि Cw+ 50 प्रतिशत पर निर्धारित MSP की गारंटी देने वाला ऐसा कानून सरकार को देश में उत्पादित सभी फसलों को प्रति वर्ष 10 लाख करोड़ रुपये की भारी कीमत पर खरीदने के लिए मजबूर करेगा। हालांकि, कुछ लोगों ने इस संख्या को खारिज करते हुए इस धारणा को नजरअंदाज कर दिया है कि केंद्र देश भर में उत्पादित सभी फसलों को खरीदने के लिए बाध्य होगा। लेकिन कानूनी एक्सपर्ट इससे सहमत नहीं हैं। कुछ फसलों को छोड़कर, एक उचित रूल्स बनाने से कानूनी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, सरकार सब्जियां उगाने वाले किसानों को MSP कानून के दायरे से बाहर रखने को कैसे उचित ठहरा सकती है?

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24 भारत के मन की बात
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। वाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

बड़ी मुसीबत में फंसा ओलंपिक मेडलिस्ट भारतीय रेसलर

NADA के बाद वर्ल्ड रेसलिंग ने भी किया सस्पेंड

जालंधर (हिमांशु) : टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले भारतीय रेसलर बजरंग पूनिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. NADA के अस्थाई निलंबन के बाद वर्ल्ड रेसलिंग ने उन्हें इस साल के अंत तक के लिए सस्पेंड कर दिया है.

रेसलिंग की वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने डोप टेस्ट कराने के लिए इनकार करने पर नेशनल डोपिंग टेस्टिंग एजेंसी के फैसले के बाद यह निर्णय लिया है. हालांकि, हैरानी भरे फैसले में नाडा के निर्णय की जानकारी होने के बावजूद स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने बजरंग की विदेश में ट्रेनिंग के लिए लगभग 9 लाख रुपये की मंजूरी दे दी.

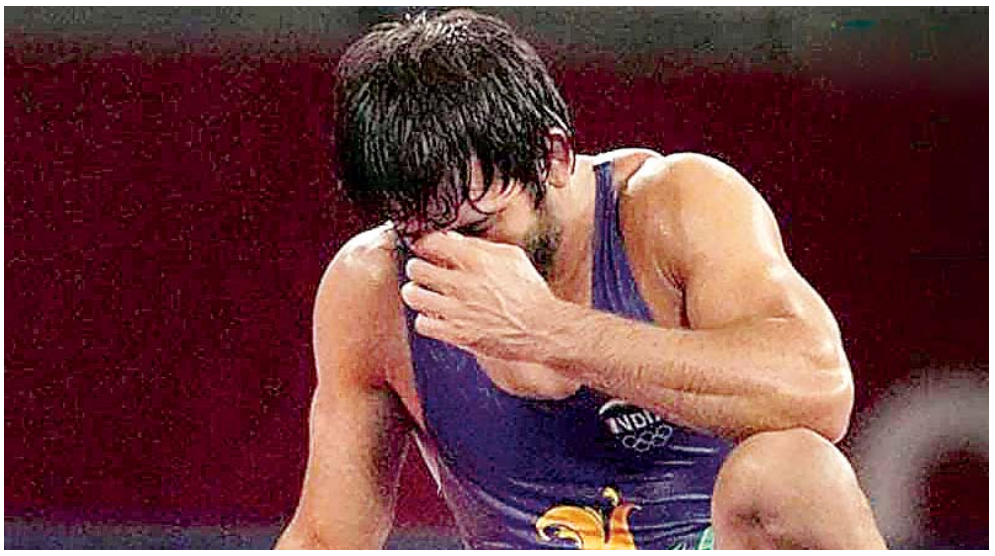

डोप टेस्ट सैंपल से जुड़ा है मामला

देश के सबसे सफल पहलवानों में से एक बजरंग को नाडा ने 23 अप्रैल को सस्पेंड किया था. उन्हें इससे पहले 18 अप्रैल को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया था. अपने बचाव में टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बजरंग ने कहा था कि उन्होंने कभी टेस्ट के लिए सैंपल देने से इनकार नहीं किया, लेकिन डोप कंट्रोल ऑफिसर से सिर्फ इतना पूछा कि वह सैंपल लेने के लिए लाई गई 'एक्सपायर्ड किट' के बारे में विस्तार से बताएं.

बजरंग ने क्या कहा?

बजरंग ने बताया कि उन्हें यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग से सस्पेंड होने के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन वर्ल्ड फेडरेशन ने अपने इंटरनल सिस्टम में अपडेट करते हुए स्पष्ट तौर पर जिक्र किया है कि वह सस्पेंड हैं. बजरंग को 31 दिसंबर 2024 तक सस्पेंड किया गया है. इंटरेस्टिंग बात यह है कि मिशन ओलंपिक सेल को 25 अप्रैल की बैठक में सूचित किया गया कि बजरंग को रूस के दागेस्तान में 28 मई से ट्रेनिंग के उनके प्रोपोजल के लिए उड़ान किराए के अलावा 8 लाख 82 हजार रुपये की मंजूरी दे दी गई.

ट्रेनिंग के लिए किया मना

एमओसी बैठक की जानकारी के अनुसार बजरंग का शुरुआती प्रपोजल 24 अप्रैल से 35 दिन ट्रेनिंग का था, लेकिन रहने के स्थान संबंधी नियम में विफलता के कारण ट्रेवल डेट्स को देखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा को 24 अप्रैल 2024 से 28 मई 2024 तक टालने का फैसला किया. इस प्रपोजल में उनके स्ट्रैंथ एवं कंडीशनिंग कोच काजी किरोन मुस्तफा हसन और उन्हें ट्रेनिंग कराने वाले जोड़ीदार जितेंदर का ट्रेवल भी शामिल था. बजरंग ने पुष्टि की कि उन्होंने SAI को परमिशन के लिए प्रपोजल भेजा था. उन्होंने साथ ही कहा कि उनका वकील नाडा को जवाब देगा. उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं कि SAI ने इसे परमिशन दे दी. मैंने असल में अपनी योजना रद्द कर दी है. मैं अब ट्रेनिंग के लिए कहीं नहीं जा रहा.

पीओके भी लेंगे, किसे यकीन था कि 370 हटेगा : विदेश मंत्री एस. जयशंकर

जालंधर (काजल विज) : पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने PAK को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने केहा कि पीओके को भारत में वापस लाने के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा है और भारत में वापस आए। एस जयशंकर ने कहा कि इस पर संसद का प्रस्ताव है और सभी राजनीतिक दल इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में बोलते हुए बुधवार एस जयशंकर ने 'विश्व बंधु भारत' विषय पर चर्चा के दौरान अपने विचार रखें। इस दौरान विदेश मंत्री ने 370 का भी जिक्र किया और कहा कि वर्षों से जो सवाल था उसका जवाब भी मिल गया। उन्होंने बताया कि कैसे केंद्र की मोदी सरकार ने 370 को खत्म कर दिया जबकि इसको लेकर लोगों ने अलग-अलग धारणाएं बना रखी थीं।

एस जयशंकर ने कहा कि लोगों ने मान लिया था कि धारा 370 को नहीं बदला जा सकता लेकिन जब एक बार हमने इसे बदल दिया तो पूरी जमीनी हकीकत बदल गई। उन्होंने कहा कि ऐसे ही पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर संसद का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि वह एक बात जरूर कहना चाहते हैं, वह बात यह है कि 10 साल पहले या फिर 5 साल पहले भी लोग हमसे यह नहीं पूछते थे। जब हमने 370 को खत्म कर दिया, तो अब लोग समझते हैं कि पीओके भी महत्वपूर्ण है।

अभी हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में एस जयशंकर ने कहा था कि पीओके इस देश का हिस्सा है, उस हिस्से पर हम किसी और का नियंत्रण स्वीकार नहीं कर सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि देश में बदलाव आया है। पिछले दस वर्षों में देश की सोच अपने बारे में बदली है।

हम अपनी बात, अपना हित, अपनी बात, अपना पक्ष सामने रखने से अब डरते नहीं है। देश के हर हिस्से में जो माहौल है, उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि हम एक तरह से टाइम के साथ चल रहे है। बीजेपी की विचारधारा राष्ट्रवादी है। कश्मीर की बात करें, चीन की बात करें, परमाणु हथियारों की बात करें या दूसरे देशों की बात करें तो बीजेपी के जहन में है कि हम अपनी बातों को सामने रखने से हिचकिचाते नहीं है।

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 1000 निफ्टी 350 अंक गिरकर बंद

निवेशकों को 7 लाख करोड़ की चपत

जालंधर (जसवीर) : भारतीय शेयर बाजार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते फिर बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ है. बीएसई सेंसेक्स 73000 के आंकड़े के नीचे तो निफ्टी 22000 के नीचे जा फिसला है.

मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी मातम छा गया है. इंडिया Vi× 7 फीसदी के करीब गिरावट के साथ एक साल के उच्च स्तर पर जाकर क्लोज हुआ है. आज का कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 1062 अंकों की गिरावट के साथ 72,404 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 345 अंकों की गिरावट के साथ 21,957 अंकों पर बंद हुआ है.

निवेशकों को लगी 7 लाख करोड़ की चपत

शेयर बाजार में आए इस सुनामी के चलते निवेशकों को आज के सत्र में 7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 393.68 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो कि पिछले कारोबारी सत्र में 400.69 लाख करोड़ रुपये था. आज के कारोबारी सत्र में 7 लाख करोड़ रुपये का निवेशकों को नुकसान हुआ है. आज के ट्रेड में कुल 3943 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 929 शेयर तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि 2902 गिरकर क्लोज हुआ है. 112 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

शेयर बाजार में आने वाले दिनों में उठापटक को इंडिया Dtim× में उछाल के जरिए मापा जाता है. इंडिया Vi× आज के सत्र में 18.26 तक जा उछला तो बताने के लिए काफी है कि बाजार में आने वाले दिनों में भारी उठापटक देखने को मिल सकती है. बाजार बंद होने के समय इंडिया Vi× 6.56 फीसदी के उछाल के साथ 1820 पर क्लोज हुआ है.

चढ़ने गिरने वाले शेयर

पीरामल एंटरप्राइजेज का स्टॉक 8.86 फीसदी, लार्सन 7.89 फीसदी, आरती इंडस्ट्रीज 5.81 फीसदी, एशियन पेंट्स 4.68 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 3.64 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. जबकि टाटा मोटर्स 1.77 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.37 फीसदी, एसबीआई 1.14 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है.

सेक्टर का हाल

आज के कारोबार में दो एफएमसीजी और एनर्जी स्टॉक्स में बड़ी गिरावट के चलते एफएमसीजी और एनर्जी इंडेक्स बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ है. निफ्टी का एफएमसीजी इंडेक्स 1383 और एनर्जी इंडेक्स 1177 अंकों की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है. इसके अलावा आईटी, फार्मा, मेटल्स ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए.

73 साल के प्रधानमंत्री मोदी को चुनावी अभियान में भारी बढ़त, कहां है विपक्ष?

जालंधर(संदीप मान) : लोकसभा चुनाव के तीन चरणों का मतदान समाप्त हो गया है। चौथे चरण के चुनाव प्रचार में सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। विपक्ष जहां NDA सरकार के कामकाज पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके गठबंधन दलों सहित भाजपा के नेता सरकार के 10 साल के विकास के कामों का लेखा-जोखा लेकर जनता के बीच उपस्थित हैं और लगातार देश के विकास को गति देने की अपनी सोच को भी जनता के बीच रख रहे हैं। ऐसे में इस चुनाव में पीएम मोदी को चुनौती देने वाला गायब नजर आ रहा है।

क्या कह रहे चुनावी विश्लेषक?

चुनावी विश्लेषक भी यही अनुमान लगातार लगा रहे हैं कि पीएम मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता संभालकर अगली सरकार बनाएंगे। बीजेपी और एनडीए की सीटों की संख्या को लेकर भविष्यवाणी की गई है।

हर गंभीर चुनावी विश्लेषक इस बात से सहमत है कि मोदी 3.0 के लिए जारी इस चुनाव कैंपेन में एनडीए विपक्ष से आगे है। विपक्षी दलों को इस चुनाव में बढ़त लेने के लिए सबसे पहले जनता के बीच अपने विचारों को लाना, लोगों के साथ संवाद आदि का प्रयास करना जरूरी है। लेकिन, इस चुनाव प्रचार में विपक्ष के बीच से यह सब नदारद है।

तूफानी चुनावी दौरों से पीएम मोदी ने बनाया दबदबा

दूसरी तरफ चुनाव की घोषणा के ठीक बाद पीएम मोदी ने मार्च में 9, अप्रैल में 68 और मई में 26 रैलियां की हैं। पीएम मोदी ने अब तक 24 से ज्यादा साक्षात्कार अपने व्यस्त चुनावी कैंपेन से समय निकालकर दिया है। उन्होंने क्षेत्रीय भाषा के चैनलों के साथ राष्ट्रीय चैनलों को इंटरव्यू दिए हैं। इसके साथ ही मीडिया आउटलेट को भी उन्होंने इंटरव्यू दिया है। पीएम मोदी लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद अब तक 21 रोड शो भी कर चुके हैं। इसके साथ ही लोगों से जुड़े रहने के लिए मंदिरों और गुरुद्वारों की अनगिनत यात्राएं करने के साथ प्रतिष्ठित लोगों और आम नागरिकों से मुलाकात भी करते रहे हैं।

चुनाव प्रचार से राहुल गांधी नदारद

वहीं, विपक्ष के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी के प्रचार के तरीके को देखें तो उनके द्वारा शुरू की गई 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' चुनाव की घोषणा के बाद 17 मार्च को खत्म हुई। इसके बाद से 8 मई तक राहुल गांधी ने 39 जनसभाओं को संबोधित किया है, जिसमें मार्च में 1, अप्रैल में 29, मई में 10 जनसभाएं शामिल हैं।

इसके साथ ही इन जनसभाओं में से कई जगहें तो ऐसी हैं, जहां कांग्रेस के जीतने की संभावना बहुत कम या ना के बराबर है। हालांकि, राहुल की इन जनसभाओं के आंकड़े और ज्यादा हो सकते हैं। मीडिया के सामने आकर राहुल गांधी ने अभी तक कोई इंटरव्यू नहीं दिया है। हालांकि, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' और इंडी गठबंधन के घटक दलों के साथ बैठकों के दौरान कुछ प्रेस कॉन्फ्रेंस जरूर हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देने वाले नेता चुनाव प्रचार से गायब

अब ऐसे में सवाल यह है कि पीएम मोदी को तीसरे कार्यकाल में आने से रोकने के लिए कोई मजबूत विपक्षी दल का नेता एक तिहाई से भी कम रैलियों को पीएम मोदी के मुकाबले कैसे संबोधित कर सकता है।

वहीं, जब लोकसभा चुनाव का प्रचार चरम पर हो तो कोई भी विपक्षी नेता लंबे समय तक चुनाव प्रचार से अनुपस्थित कैसे रह सकता है। कोई विपक्षी नेता जो पीएम मोदी को चुनौती देने की बात करता है, वह मुख्यधारा या वैकल्पिक मीडिया में इंटरव्यू क्यों नहीं दे रहा है। ये सभी तथ्य इस ओर इशारा कर रहे हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी को चुनौती देने वाले गायब नजर आ रहे हैं।

'चुनाव हार गया तो...', आखिर क्यों बादाम बेचने की बात कर रहे हैं अधीर रंजन चौधरी?

जालंधर (नितिका) : बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष व वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि अगर वह मुर्शिदाबाद की बहरमपुर सीट से चुनाव हार गए तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। अधीर ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह बादाम बेचेंगे लेकिन राजनीति में नहीं रहेंगे। उनके लिए इस बार का चुनाव अस्तित्व के लिए संघर्ष है।

पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान बहरमपुर से तृणमूल के उम्मीदवार हैं। भाजपा ने इलाके के लोकप्रिय डाक्टर निर्मल चंद्र साहा को मैदान में उतारा है।

अधीर इस बार कर रहे कड़ी टक्कर का सामना

पिछले लोकसभा चुनाव में अधीर की जीत का अंतर 3,50,000 से घटकर 80,000 रह गया था। मीडिया से बातचीत में अधीर ने कहा कि वह अस्थिर नहीं होते। राजनीतिक जानकारों के अनुसार अधीर को इस बार विभिन्न कारणों से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है। अधीर भी उन संकेतकों को स्वीकार कर रहे हैं।

बरहमपुर सीट से अल्पसंख्यक उम्मीदवार यह पहली बार है कि मुस्लिम बहुल बरहमपुर सीट से अधीर के खिलाफ मुख्य प्रतिद्वंद्वी कोई अल्पसंख्यक उम्मीदवार है। 1999 से 2019 तक अधीर पांच बार बहरमपुर से जीत चुके हैं। लेकिन उन्हें कभी किसी अल्पसंख्यक उम्मीदवार का सामना नहीं करना पड़ा था। अधीर का कहना है कि तृणमूल इससे अल्पसंख्यक वोटों को बांटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ममता ने उनके सभी नेताओं को तोडक़र अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। 'मैंने स्वाभिमान के साथ राजनीति की' अधीर ने कहा कि टीएमसी सुप्रीमो ने बंगाल में कांग्रेस को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन मैंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। मैंने स्वाभिमान के साथ राजनीति की है। तृणमूल वास्तव में कांग्रेस को खत्म करना चाहती है। तब से मैं कांग्रेस का बचाव कर रहा हूं। मेरा काम मेरे पास जो कुछ है उसकी रक्षा करना है। बता दें कि अधीर ने ममता को बहरमपुर सीट से खड़े होने की चुनौती भी दी थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि अगर बहरमपुर में तृणमूल हारती है तो वह इसे अपनी हार मानेंगी।

AAP-कांग्रेस गठबंधन का 'चंडीगढ़ मॉडल' दिल्ली और पंजाब दोनों के लिए चुनौती है

जालंधर (काजल विज) : आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच चुनावी गठबंधन अरविंद केजरीवाल केजरीवाल के जेल जाने से पहले ही फाइनल हो चुका था. आप का शुरू से ही स्टैंड साफ था कि कांग्रेस के साथ दिल्ली और दूसरे राज्यों में तो होगा, लेकिन पंजाब में हरगिज नहीं. और हुआ भी वही. पंजाब में तो दोनों एक दूसरे के साथ दो-दो हाथ कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली में गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी 4 लोकसभा सीटों पर, जबकि कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ रही है - एक तीसरा मॉडल चंडीगढ़ में दिखाई देता है.

आप और कांग्रेस ने दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों में भी चुनावी समझौता किया है, जिसमें चंडीगढ़ लोकसभा सीट भी शामिल है - चंडीगढ़ से कांग्रेस नेता मनीष तिवारी चुनाव लड़ रहे हैं.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने पहले से ही मुसीबतों का अंबार लगा हुआ है, और चुनाव कैंपेन अलग से चुनौती है. अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने से पहले ही ईडी ने चार्जशीट फाइल करने की पूरी तैयारी कर ली है, और जमानत का विरोध तो पहले से ही हो रहा है.

अरविंद केजरीवाल की गैरहाजिरी में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कैंपेन की जिम्मेदारी संभाल ही है, और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित तमाम आप नेता उनकी मदद में खड़े भी हैं. और जल्दी ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में कैंपेन का चौथा फेज शुरू करने जा रही है - जिसमें जेल का जवाब वोट से के तहत अलग अलग तरीके से चार तरह के कार्यक्रम चलाये जाने हैं.

चुनावी गठबंधन के तहत चंडीगढ़ लोकसभा सीट कांग्रेस के हिस्से में है. चंडीगढ़ से कांग्रेस ने मनीष तिवारी को टिकट दिया है. मनीष तिवारी फिलहाल पंजाब के आनंदपुर साहिब से सांसद हैं. एक बार जब मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बीजेपी में जाने की जोरदार चर्चा थी, तभी मनीष तिवारी का नाम भी उछला था. कहा जा रहा था कि वो लुधियाना से चुनाव लड़ना चाहते हैं, और टिकट के लिए बीजेपी के संपर्क में हैं. हालांकि, उनके ऑफिस की तरफ से ऐसी खबरों का खंडन किया गया - और आखिरकार कांग्रेस में ही चंडीगढ़ पर बात फाइनल हो गई. मनीष तिवारी लुधियाना से भी सांसद रह चुके हैं.

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24 भारत के मन की बात
के लिए पत्रकारों की जरूरत है।
चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

वंदे भारत 24 भारत के मन की बात
हमारे साथ जुड़ने के लिए व विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

Impact Player Rule को IPL में मिली सफलता

इस T20 लीग में भी लागू हो सकता है ये नियम

जालंधर (हर्ष शर्मा) : Impact Player Rule ने आईपीएल में सफलता हासिल कर ली है। साल 2023 के सीजन में इस नियम को इंट्रोड्यूस किया गया था और 2024 में भी ये लागू है। कुछ क्रिकेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट इस नियम से खुश नहीं हैं, क्योंकि ऑलराउंडर्स का इस्तेमाल कम किया जा रहा है।

हालांकि, फ्रेंचाइजी इस नियम का पूरा फायदा उठा रही हैं। इसी कड़ी में अब एक और टी20 लीग इस नियम को अपनाने पर विचार कर रही है।

क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो साउथ अफ्रीका में खेली जाने वाली एसए20 लीग में इम्पैक्ट प्लेयर रूल का इस्तेमाल अगले सीजन से शुरू हो सकता है। 2025 में आयोजित होने वाली एसए20 लीग के दूसरे सीजन के लिए जब अधिकारी टूर्नामेंट को लेकर विचार करेंगे तो इसमें इम्पैक्ट प्लेयर रूल भी एक बड़ा एजेंडा होगा। एक अक्टूबर को आईसीसी अपनी अपडेटेड प्लेइंग कंडीशन का ऐलान करेगी। अगर इस नियम को अप्रूव कर दिया जाता है तो एसए20 लीग भी आईपीएल में सफल हो चुके इस नियम को अपना सकती है। इसी साल से इस टूर्नामेंट की शुरुआत हुई है, लेकिन जब आईपीएल 2023 में इस नियम को लागू किया गया था। उस समय तक खिलाड़ियों की नीलामी हो चुकी थी। ऐसे में इस नियम पर विचार नहीं किया गया, क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर के नियम को ध्यान में रखते हुए फ्रेंचाइजी उस समय टीम बना सकती थीं। इस नियम ने गेम को थोड़ा सा रोमांचक तो बनाया है, लेकिन ऑलराउंडर्स के लिए ये काल बन गया है। बहुत से खिलाड़ी हैं, जिनसे गेंदबाजी नहीं कराई जाती या फिर उनको बल्लेबाजी के लिए नहीं बुलाया जाता है। स्पेशलिस्ट बॉलर या बैटर ही खेलता हुआ नजर आता है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस नियम को पसंद नहीं करते। उनका स्पष्ट कहना है कि इससे ऑलराउंडर्स को पूरा मौका अपनी प्रतिभा दिखाने का नहीं मिल रहा है। ऐसा ही कुछ मानना साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जैक कैलिस का है। उन्होंने क्रिकबज से बात करते हुए कहा, यह एक भयानक नियम है। आप ऑलराउंडर को नकार रहे हैं और मुझे नहीं लगता कि यह क्रिकेट के लिए अच्छा है। खासतौर पर भारत के लिए, जो अपने ऑलराउंडर्स को विकसित करने की कोशिश कर रहा है। एक ऑलराउंडर के तौर पर मैं ऐसा नहीं देखना चाहता। आप चाहते हैं कि वे एक प्रमुख भूमिका निभाएं।

उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, टीम के ऑलआउट होने की बहुत कम संभावना है, क्योंकि आप मूल रूप से आठ बल्लेबाजों के साथ खेल रहे हैं। इससे बहुत फर्क पड़ता है और इसीलिए स्कोर बड़े हो रहे हैं। हां, बल्लेबाज खेल को अगले स्तर पर ले गए हैं, लेकिन मैं निश्चित रूप से इस बात से सहमत नहीं हूं कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर होना चाहिए। यह गेम के लिए अच्छा नहीं है। हालांकि, एसए20 लीग की सभी 6 फ्रेंचाइजी आईपीएल की टीमों की भी मालिक हैं। ऐसे में इस नियम पर विचार किया जा सकता है।

जैसे आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर का नियम है, आप प्लेइंग इलेवन के अतिरिक्त 5 खिलाड़ियों को सब्सटीट्यूट में रखते हैं, उसी तरह एसए20 लीग में टॉस के दौरान 13 खिलाड़ियों की लिस्ट दी जाती है, जिसमें टॉस के बाद आप प्लेइंग इलेवन चुन सकते हैं। हालांकि, आईपीएल में आप 5 सब्सटीट्यूट में से किसी को भी किसी भी समय इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

किन 3 कारणों से भारत में मुस्लिम आबादी बढ़ी?

BJP के सुधांशु त्रिवेदी ने बताया, निशाने पर INDI गठबंधन

जालंधर (काजल विज) : भारत में पिछले 65 साल में बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी में गिरावट ने सभी को हैरान कर दिया है। खासकर चुनावों के बीच हिंदू आबादी में कमी और मुस्लिम आबादी में जबरदस्त वृद्धि ने एक नई बहस छेड़ दी है।

हिंदू आबादी घटने और तेजी से मुस्लिम आबादी बढ़ने के पीछे भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस को जिम्मेवार बता रही है। इसी क्रम में बीजेपी के नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और INDI गठबंधन के दलों को निशाने पर लिया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी कहते हैं कि 1951 के जनगणना में हिंदू 88 फीसदी और मुस्लिम 9.5 फीसदी था। 2011 में मुस्लिम 14.5 फीसदी से ऊपर हुआ और हिंदू 80 फीसदी से नीचे है। ये साफ है कि हिंदू 8 फीसदी घटा है। ये आंकड़ा बहुत इस समय से उपलब्ध है। बस देखने वाले ने देखा नहीं है, क्योंकि उनको (कांग्रेस) हकीकत में अपने राजनीतिक हित साधने थे। बीजेपी नेता का कहना है कि जब संख्या लगातार बढ़ेगी और कांग्रेस संख्या के आधार पर भागीदारी की बात करती है, उनको पूरा का पूरा आरक्षण देने की बात INDI गठबंधन के लोग करते हैं तो पूरा का पूरा आरक्षण किसका काट कर देंगे। वो एससी एसटी ओबीसी का आरक्षण काट के ही देंगे ना। क्योंकि एससी, एसटी और ओबीसी की जनसंख्या बढ़ेगी तो जनसंख्या के तहत ही बढ़ेगी।

सुधांशु ने बताईं मुस्लिम आबादी बढ़ने की वजह

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी रिपब्लिक भारत से बातचीत में मुस्लिम आबादी बढ़ने की पीछे की 3 वजहें भी बताई हैं। वो कहते हैं कि मुस्लिम की जनसंख्या तीन तरीके के तहत बढ़ेगी। पहली- मुस्लिम में बहु विवाह की प्रथा है। दूसरा- धर्मांतरण और तीसरा- घुसपैठ के द्वारा बढ़ेगी। INDI गठबंधन तीनों चीज का समर्थन करता है। विकराल रूप से बढ़ते जनसंख्या के विस्फोट में देश के साथ क्या करने जा रहे हैं, जिसकी सबसे पहले कैजुअल्टी एसटी-एसटी-ओबीसी के आरक्षण पर गिरने जा रही है।

जनसंख्या नियंत्रण बिल पर बोले सुधांशु

जनसंख्या नियंत्रण बिल की वकालत करते हुए सुधांशु त्रिवेदी कहते हैं कि जब तक देश के राजनीतिक दल अपने राजनीतिक स्वार्थ में जनसंख्या के विस्फोट में अपने भविष्य की राजनीति देखते रहेंगे। बेशक भविष्य देश का दीर्घकालिक में नष्ट हो जाए, तब तक ये चुनौती रहेगी। सभी दलों को इस पर दलगत उठकर बात करनी चाहिए।

पृष्ठ 1 का शेष

केदारनाथ धाम का क्या है महाभारत के पांडवों से संबंध...

तब उन्होंने भगवान शिव की खोज करनी शुरू की और वे खोज करते-करते हिमालय की ओर आ गए. उस समय भगवान शिव अंतर्ध्यान होकर केदारधाम में बस गए.

इस पर पांडव भी उनका पीछा करते हुए केदार पर्वत पर पहुंच गए. भगवान शिव ने पांडवों को अपने पास आता देखा तो उन्होंने बैल का रूप धारण कर लिया. इस पर भगवान शिव के दर्शन पाने के लिए पांडव भीम ने अपना रूप विस्तार किया और अपने पांव केदार पर्वत की ओर फैला दिए. इस पर वहां मौजूद सभी पशु भीम के पैरों के बीच से गुजर गए पर जब बैल का रूप धारण किए भगवान शिव भीम के पैर के नीचे से निकले तो उन्होंने भगवान शिव को पहचान लिया. इस पर उन्होंने उस बैल को पकड़ना चाहा तो वह धरती में समाने लगा. इस पर भीम ने बैल के गर्दन के ऊपर का भाग कसकर पकड़ लिया. भगवान शिव पांडवों की भक्ति से प्रसन्न हो प्रकट हो गए और उन्हें भाइयों की हत्या के पाप से मुक्त कर दिया. मान्यता है कि यहां आज भी बैल के कूबड़ की आकृति को पूजा जाता है. इस बैल का मुख नेपाल में निकला है. यहां भगवान शिव का पूजन पशुपतिनाथ के रूप में किया जाता है.

नर और नारायण ऋषि के किया था पूजन

मान्यता है कि हिमालय के केदार पर्वत पर भगवान विष्णु के अवतार नर और नारायण ऋषि ने तपस्या की थी. नर और नारायण ने भगवान शिव की आराधना की तो उनकी पूजा से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए. इसके बाद नर और नारायण ऋषि ने भगवान शिव से ज्योतिर्लिंग स्वरूप में यहां सदैव निवास करने का वर प्राप्त किया.

S.T HOSPITAL
& Test Tube Baby Centre
Near Football Chowk, Jalandhar.
Mob.: 99154-02525, 0181-5042525
www.sthospital.in

अब हर घर गूँजेंगी खुशियों की किलकारियाँ
IUI | IVF | ICSI
विधियों द्वारा पुरुषों तथा महिलाओं के बाँझपन का उपचार किया जाता है
Dr. Asheesh Kapoor
M.B.B.S., P.G.D.S. (USA)
Fertility & Sex Specialist
Dr. Rimmi Mahajan
M.B.B.S, M.D. (Obs & Gynae)
Fellowship in Rep. Med. (Spain)

पंजाब में अकाली दल को बड़ा झटका, आप में शामिल हुआ ये उम्मीदवार

जालंधर (हर्ष शर्मा) : इस समय की बड़ी खबर पंजाब की अकाली दल से सामने आ रही है। खबर है कि चंडीगढ़ से शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मिली जानकरी के मुताबिक अकाली दल के उम्मीदवार हरदीप सिंह बुटरेला आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरदीप सिंह बुटरेला को आप में शामिल करवाया है। हरदीप बटरेला के साथी भी AAP में शामिल हुए हैं। तीन बार के पार्षद और सीनियर डिप्टी मेयर हरदीप सिंह बुतरेला ने हाल ही में अकाली दल से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अकाली दल के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने से भी इनकार कर दिया था।

एक और कत्ल : अब पत्नी ने किया प्रेमी संग मिलकर पति का कत्ल

पहले पिलाई शराब, फिर सोने के बाद ईंटों से किया हमला

जालंधर (काजल विज) : बीते दिनों जिला जालंधर में महिला द्वारा शराब में जहर देकर लिव इन पार्टनर की हत्या कर मामला अभी जालंधर पुलिस ने सुलझाया ही था कि आज एक ऐसे ही एक मामला जिला होशियारपुर के हल्का दसूहा के गांव कोलिया में पति बूटी राम अपनी पत्नी के प्यार में कांटा बन रहा था को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर देने से पुरे इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों ने पहले बूटी राम को शराब पिलाई। सोने के बाद उसकी ईंटों से हमला करके हत्या कर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर घटना के सबूत मिटा दिए। सुबह होते ही पति की मौत का ड्रामा कर लोगों व पुलिस की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की। दसूहा पुलिस ने अब उसके फरार प्रेमी गुरजीत सिंह उर्फ मोनू को हिरासत में ले लिया है। वहीं अमनदीप पहले से ही पुलिस हिरासत में था। दसूहा पुलिस ने इस हत्या की गुत्थी को कुछ ही घंटों में सुलझा लिया था। जानकारी के मुताबिक, अमनदीप कौर पिछले एक साल से अपने प्रेमी गुरजीत सिंह के संपर्क में थी। इसकी जानकारी उसके पति को हो गयी थी। पति को प्यार में बाधा बनता देखकर 6 तारीख की सुबह पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। महिला का पति शराब पीने का आदी था। इसका फायदा उठाते हुए पत्नी ने अपने प्रेमी

को शराब लेकर घर आने को कहा ताकि वह अपने पति को शराब में नींद की गोलियां दे सके।

वहीं बच्चों को नींद से जगाने से रोकने के लिए उन्हें कोल्डरंग में नींद की गोलियां भी मिलाकर दी। इसी तरह हत्या वाली रात देर शाम उसका प्रेमी घर शराब की बोतल लेकर आता है और प्रेमिका के पति के साथ बैठकर शराब पीने लगता है और वह देर रात 8.30 बजे वहां से चले गए.। जिसके बाद मौका पाकर पत्नी अमनदीप कौर ने शराब में नींद की गोलियां दे दीं। देर रात जब पति नींद की गोलियों के असर से गहरी नींद में सो जाता है तो महिला रात 11.30 बजे अपने प्रेमी को घर बुलाती है। और दोनों मिलकर सोते हुए व्यक्ति पर ईंटों से कई वार कर देते हैं।

जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो जाती है। इसके बाद पत्नी अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या के सबूत मिटाने में जुट जाती है और सबसे पहले हत्या वाली जगह पर फैले खून को अच्छी तरह से साफ करने के बाद मृत पति के कपड़े भी बदल देती है ताकि सुबह हो सके अनजान होने का नाटक कर सके। अगले दिन उसी तरह उक्त महिला ने अपने पति की मौत का ड्रामा कर लोगों व पुलिस की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की, लेकिन असफल रही। पोस्टमॉर्टम के बाद बूटी राम का उनके गांव में ही अंतिम संस्कार कर दिया गया।

यूं ही नहीं भड़के संजीव गोयनका केएल राहुल ने की वो गलतियां जिनकी वजह से उनका LSG से बाहर जाना तय हो गया है!

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करारी हार लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल पर किसी बिजली की तरह गिरी है. पहले तो टीम को अंक तालिका में काफी ज्यादा नुकसान हुआ और उसके बाद रिपोर्ट्स के मुताबिक केएल राहुल को टीम के मालिक संजीव गोयनका से डांट भी पड़ गई.मैच के बाद केएल राहुल को संजीव गोयनका से बातचीत करते हुए देखा गया.

संजीव गोयनका काफी नाराज दिखाई दे रहे थे. राहुल उनको समझाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि स्स्त के मालिक कुछ सुनने को तैयार नहीं थे. ये तस्वीर, ये वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैला और फैंस ने केएल राहुल का साथ दिया और संजीव गोयनका पर सवाल उठाए.

लेकिन यहां गलती केएल राहुल से भी हुई है. आइए आपको बताते हैं केएल राहुल की वो 4 बड़ी गलतियां जिसके बाद उनपर स्स्त के मालिक का गुस्सा फूट गया और अब ये खिलाड़ी कप्तानी गंवाने के साथ-साथ लखनऊ की टीम से बाहर भी हो सकता है.

1. बैटिंग में फेल

केएल राहुल की पहली और सबसे बड़ी गलती तो उनकी खुद की बल्लेबाजी

ही है. ये खिलाड़ी पिछले कुछ मुकाबलों से स्ट्राइक रेट के मामले में लगातार पिछड़ा हुआ है. हैदराबाद के खिलाफ ये खिलाड़ी बैटिंग के लिए मुफीद पिच पर महज 87.88 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाया. केएल राहुल की पावरप्ले में इतनी धीमी बल्लेबाजी थी कि लखनऊ ने पावरप्ले में सिर्फ 27 रन बनाए. राहुल जब तक क्रीज पर रहे लखनऊ का रन रेट 6 रन प्रति ओवर से ऊपर गया ही नहीं. ऐसा सिर्फ हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में नहीं हुआ है. पिछले पांच में से चार मुकाबलों में केएल राहुल का स्ट्राइक रेट काफी कम रहा है. कोलकाता के खिलाफ वो 119 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाए. चेन्नई के खिलाफ ये गिरकर 114 तक पहुंच गया. मुंबई के खिलाफ भी वो 127 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाए. साफ है बतौर बल्लेबाज केएल राहुल अपनी ही टीम को काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं.

2. कप्तानी में पूरी तरह नाकाम

केएल राहुल की बल्लेबाजी ही नहीं उनकी कैप्टेंसी भी पिछले कुछ मुकाबलों में औसत रही है. ये खिलाड़ी बॉलर्स रोटेशन में काफी ज्यादा संघर्ष कर रहा है. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जब ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा लगातार बड़े शॉट खेल रहे थे तो केएल राहुल अपने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल नहीं कर सके. ऐसा कभी लगा ही नहीं कि केएल राहुल के पास इन बल्लेबाजों को रोकने का कोई प्लान हो. ये खिलाड़ी बस अपने गेंदबाजों की पिटी का तमाशा देख रहा था. बता दें खराब गेंदबाजी की वजह से लखनऊ की टीम पिछले 4 में से 3 मैच हार चुकी है और अब उसका प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करना थोड़ा मुश्किल है.

3. खिलाड़ियों के इस्तेमाल में गलती

केएल राहुल से प्लेइंग इलेवन चुनने में भी बड़ी गलती हो रही है. इस टीम के पास एक से बढ़कर एक धुरंधर खिलाड़ी हैं लेकिन उनका इस्तेमाल ठीक से नहीं हो पा रहा है.सबसे पहले बात निकोलस पूरन की, ये खिलाड़ी अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है. पूरन अच्छी फॉर्म में भी हैं लेकिन इस धुरंधर बल्लेबाज को बेहद कम गेंदों के लिए बैटिंग का मौका दिया जाता है. पूरन को अकसर 10 ओवर के बाद ही मैच में उतारा जाता है और ये बात लखनऊ के खिलाफ ही जाती है.

4. केएल राहुल की बयानबाजी

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के बाद केएल राहुल का बयान भी इस टीम के खिलाफ गया. लखनऊ के कप्तान ने हैदराबाद के खिलाफ हार के बाद कहा कि अगर उनकी टीम 240 रन बनाती तो भी वो मुकाबला हार जाती. कोई कप्तान अगर सरेआम इस तरह की बात कहेगा तो इससे पता चलता है कि उसकी कितनी डिफेंसिव सोच है. मुमकिन है कि इस बात को सुनकर भी लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक को गुस्सा आया हो. खैर अब वजह जो भी हो लेकिन एक बात तो तय है कि आईपीएल 2025 के लिए केएल राहुल का लखनऊ सुपरजायंट्स टीम में रिटेन होना मुश्किल है.